ANUSHA DHIMAN (15-02-2021)

निबंध - PAPER VI.



प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(1) ज्ञान का व्यवहारिक होना सभ्य समाज का द्योतक है।

(2) भारत में स्वास्थ्यः स्थिति, समस्या तथा सुधार।

(3) भारत और कोविड-19

(4) अंतर्राज्यीय जल - विवाद।

उत्तर :

## भारत में स्वास्थ्य : स्थिति, समस्या तथा सुधार

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः"

आदीकाल से ही हिन्दु धर्म ग्रन्थों, पुराणों, कुरान, बाइबल, गुरुग्रंथसाहिब इत्यादि सभी लेखों, ग्रन्थों में स्वास्थ सर्वोपरी रहा है। सभी मनुष्य सुखी हों, निरोगी हों यहि यही सीख सदैव के लिए हमारी संस्कृति में शामिल हो चुकी है।

बेहतर स्वास्थ्य, निरोगी काया मानव जीवन की सबसे बड़ी पु पूंजी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार -

स्वास्थ्य का अर्थ रोगों का न होने से नहीं अपितु शारीरिक, मानसिक, आत्मीय, सामाजिक स्वास्थ्य से है।

स्वास्थ्य के ये सभी आयाम मानव के चहुंमुखी

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 50

प्राप्तांक

विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। स्वस्थ मानव समाज, स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करता है। जिससे उत्तरोत्तर वृद्धि की नई दिशायें, नए द्वार खुलते हैं।

किसी भी संस्कृति, किसी भी सभ्यता का विकास, अखंडता, निरन्तरता की नींव स्वास्थ्य पर ही टीकी है। मानसिक स्वास्थ्य राष्ट्र, समाज को बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों, मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण मनुष्यों से नवाज़ता है। शारीरिक तौर पर स्वस्थ मानव विकास पथ पर अग्रसर राष्ट्र निर्माण के पत्थर जोड़ता है। वहीं आत्मीय तौर से स्वस्थ मनुष्य राष्ट्र को आत्मबल, साहस, और दृढ़संकल्पी बनाता है।

स्वास्थ्य के बिना समाज और राष्ट्र की कल्पना करना असंभव है। अस्वस्थ मनुष्य न केवल स्वयं के अपितु सहचारी एवं राष्ट्र के विकास में बाधा के प्रकार होता है। स्वास्थ्य सेवाओं और उनके विकास में देश की संपत्ति का नाश होता है। यदि मनुष्य या राष्ट्र के नागरिक स्वस्थ होंगे तो उस धन का किसी और विकास कार्य में उपयोग होगा जो बेहतर

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

राष्ट्र का निर्माण करेगा।

भारत विश्व में एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रुप में जाना जाता है। यह दुनिया के सबसे युवा नागरिकों का राष्ट्र है। स्वस्थ जीवन निःरोगी काया हमारी संस्कृति रही है। भारत न केवल विकसीत विकासित देशों में अपितु विकासशील देशों में भी एक प्रणेता के रुप में उभरा है। अनेकानेक अवसरों में भारत ने विश्व का मार्गदर्शन किया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी भारतीय सभ्यता और संस्कृति ने अगुवाई की है।

भारत चरक, सुश्रुत, पतंजली जैसे महान ऋषियों की जन्म और कर्म भूमि रहा है। ऐसे न जाने कितने ही ज्ञात और अज्ञात ऋषि मुनियों मनीषियों से विश्व को स्वास्थ्य की महत्ता का पाठ पढ़ाया है। आज की चिकित्सा, शल्य क्रियाओं, पद्धतियों की नींव भारत में हज़ारों वर्ष पूर्व ही रखी जा चुकी थी। सुश्रुत की शल्यक्रियाएँ हो या धनवंतरी ऋषि का आयुर्वेद का ज्ञान सभी ने विकास, उत्थान और स्वास्थ की दशा और दिशा

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

बदल दी।

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में एक ओर विकसित राष्ट्रों की रीढ़ पर प्रहार हुआ वहीं भारत अपनी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा पद्धतियों के बलबूते महामारी से उबरने में सक्षम रहा। जहाँ अन्य कई देशों में दूसरी लहर ने तबाही का मंज़र दिखाया वहीं भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था ने दृढ़ता से लोगों को दूसरी लहर की चपेट से बचाया।

भारत कालांतर में अहम चिकित्सा केन्द्र के रूप में उभरा है। मेडिकल टूरिज़्म का विकास तेज़ी से होता नज़र आ रहा है। विदेशी मरीज़ों को न केवल यहाँ सही/उचित वातावरण मिलता अपितु जेब पर खर्च की मार भी कम पड़ती

भारत में स्वास्थ्य पद्धतियाँ विकास मार्ग पर अग्रसर हैं। अधिक विकल्प उपलब्ध हैं- आयुर्वेद, युनानी, नेचुरोपैथी, योग, होमियोपैथी इत्यादि जो न केवल घरेलू मरीज़ों अपितु अन्तर्राष्ट्रीय मरीज़ों को भी आकर्षित करते।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 50
प्राप्तांक

भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था में मुख्यत: सरकारी और भी निजी अस्पताल है जो रोगमुक्त भारत के निर्माण को संकल्पित हैं। विविध प्रकार की सेवाएँ, असाध्य रोगों जैसे कैंसर, टी.बी, मधुमेह, बी.पी, हृदय रोग इत्यादि का उपचार इन अस्पतालों में उपलब्ध है।

आधुनिकता भारतीय स्वास्थ्य में अपनी छाप छोड़ने लगी है। दुनिया विविध क्षेत्रों में आशातीत होकर भारत का रुख करती है। उदाहरण के तौर पर कोरोना महामारी में अमरीका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे विकसित देश वैक्सीन निर्माण में भारत की सहभागिता का ध्यान रख रहे थे। भारत ने न केवल वैक्सीन - कोविशील्ड और कोवैक्सीन का निर्माण किया अपितु स्वास्थ्य सेवाएँ, बचाव / राहत कार्य, पी.पी.ई किट, मास्क, दवाएँ, डॉक्टर, नर्स उपलब्ध करवाए। आपसी द्वेष भुला भारत ने चीन, पाकिस्तान आदि राष्ट्रों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ाया जो WHO की सराहना का पात्र बना।

CRISPR CAS-9, जीन थैरेपी, बायो जैनेटिक

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 50

प्राप्तांक

इंजीनीयरिंग, हृदय ट्रांसप्लान्ट, मस्तिष्क चिकित्सा, असाध्य रोगों का निवारण, इत्यादि अनेक ~~क~~ प्रकार की विधाओं में उपलब्धियाँ हासिल कर भारत स्वास्थ्य ~~विसाक~~ विकास में संलग्न है। कई पद्धतियाँ जैसे आयुर्वेद, नेचुरोपैथी केवल भारत में ही उपलब्ध है।

इन सभी उपलब्धियों के बाद भी, विकास पथ पर मील का पत्थर बनने के बाद भी भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था में खामियाँ, नाकामियाँ, खाईयाँ नज़र आती हैं। अन्य राष्ट्रों के मुकाबले भारत केवल 1% GDP का स्वास्थ पर खर्च करता रहा है। बजट 2021 में जिसे बढ़ा कर 2.5% कर दिया गया जो अभी भी निम्न है। डेनमार्क जैसा विकसित देश स्वास्थ्य पर 10% वहीं भूटान जैसा छोटा एवं ~~विकार~~ विकासशील राष्ट्र GDP का लगभग 3-4% खर्च करता है।

WHO के अनुसार डॉक्टर-मरीज़ अनुपात 1:1000 होना चाहिए। भारत में यह अनुपात 1:1800 है। हमारे यहाँ न केवल चिकित्सकों की कमी है अपितु प्रमाणित चिकित्सकों का आकाल है। एक रिपोर्ट के

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

अनुसार 50% चिकित्सक झोलाछाप हैं अर्थात फर्जी या अनुचित, अयोग्य डिग्री धारी चिकित्सक हैं।

चिकित्सकों के साथ-साथ नर्सों, अस्पतालों, चिकित्सालयों की भी कमी है। जो अस्पताल है उनमें आधारभूत ज़रुरतें नहीं है। ग्रामीण ब्लॉकों में यह समस्या ज्यादा गहरी है। ग्रामीणों को स्वस्थ्य सेवाओं के लिए पैदल चल कर या साधनों में धक्के खा कर शहर आना पड़ता है। शहरी स्वास्थ्य व्यवस्था महँगी होने के कारण उनकी पहुँच से बाहर नज़र आती। ग्रामीण एक शोध के अनुसार चिकित्सा का 1/4 हिस्सा कर्ज लेकर या सामान, ज़मीन बेचकर उठाते हैं। साथ ही साथ अज्ञानतावश कई लाभों से वंचित रह जाते हैं।

अक्सर अखबारों, समाचारों में स्वास्थ्य सेवाओं का विभत्स रूप देखने को मिलता है। मौत का कायदा उठा अंगों की तस्करी, जरूरत से अधिक पैसे ऐंठना, मृत व्यक्ति का ईलाज करते हुए पैसे माँगना इत्यादि शामिल हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

चिकित्सकों से अनैतिक व्यवहार, शोषण, मार-पीट, हत्या इत्यादि भी सुर्खियों में शामिल है। कोरोनाकाल में इंदौर के साथ-साथ अन्य शहरों में अभद्र व्यवहार सभी को याद है।

इन सभी समस्याओं में एक समानता यह है कि इच्छा शक्ति और आधारभूत सुधारों से यह सुलझ सकती है। सरकारे अनेकानेक कदम उठाने में पीछे नहीं हटती जैसे आरोग्य सेतु एप, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, ICDS, MDM, जननी सुरक्षा, मातृवंदन योजना, दस्तक अभियान, पोलियो अभियान इत्यादि। अनेक स्वास्थ्य योजनाओं के तहत लोगों को रोग मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा।

स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्ट अप, स्टैंड अप जैसे कार्यक्रम व्यवहार परिवर्तन का कार्य कर रहे हैं। स्वस्थ इंडिया, ~~अंतरराष्ट्रीय~~ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून), विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रेल) सभी अपना योगदान सुनिश्चित कर रहे हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

समाज को जरूरी है कि वह सरकार को अपना योगदान दे और इन सभी कार्यक्रमो को सफल बनाएँ।

सुधार के लिए आधारभूत ढाँचो को मजबूत करना, चिकित्सको में नैतिक मूल्यों का विकास, शिक्षा, गरीबी उन्मूलन इत्यादि की आवश्यता है। नये चिकित्सालयों का निर्माण, ग्रामीण स्वास्थ्य की पहुँच, आदि पर विशेष ध्यान देने की अवश्यकता है।

इन सभी उपायों, कार्यक्रमों, योजनाओं से ही भारत सही मायनों में सुखी और निरामय हो सकता है।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

पू./M = 50

प्राप्तांक

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(1) राजभाषा हिन्दी की विकास यात्रा।

(2) अनुशासन सभ्य समाज की धुरी।

(3) भारत और कल्याणकारी राज्य।

उत्तर (...) :

अनुशासन सभ्य समाज की धुरी

अनुशासन अर्थात 'अनु' + 'शासन', शासन का पालन करना, अनुसरण करना होता है। जिस प्रकार भव्य प्रसाद मज़बूत नींव पर खड़ा होता है, ठीक उसी प्रकार समाज की नींव अनुशासन पर ही टीकी है। सभ्यताओं के विकास में अनुशासन का महती योगदान रहा है। यह न केवल मानव जाति को सर्वोपरि रखता अपितु सम्पूर्ण निर्माण में अत्यन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता।

अनुशासन के पाठ की पहली ईकाई परिवार होता है। समाज को सभ्य बनाने में परिवारों का ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। समाज में संस्कारों, मूल्यों, संस्कृति, विश्वास, प्रेम, करुणा, आत्मीयता इत्यादि जैसे जीवन के मूल तत्वों का विकास अनुशासित रह कर ही किया जाता। संसार अनेकानेक उदाहरणों से भरा हुआ है। जब कभी भी अनुशासनहीनता मानव जीवन पर हावी हुई है, समाज, सभ्यता, संस्कृति का ह्रास हुआ है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

हिटलर की देशप्रेम की भावना ने उसे अनुशासनहीन शासक बना दिया जिसका अंजाम सभी के समक्ष है।

अनुशासनहीनता मानव जीवन एवं समाज के विकास में कंटक रूपी है। यह न केवल वर्तमान को नष्ट करती अपितु भविष्य को भी अपना ग्रास बना लेती। यह राष्ट्र के निर्माण में बाधा साबित होती है।

अनुशासित व्यक्ति एक बेहतर परिवार, समाज, राज्य, और राष्ट्र का निर्माण करता। आज के प्रतिस्पर्धी संसार में राष्ट्रों को प्रगति की राह पर उन्नति हेतु अनुशासित होने के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं है। अनुशासन से राष्ट्र नव-निर्माण पर अपना ध्यान केंद्रित करने में समर्थ हो जाते है और अपने भीतर पल रहे अनेक समाजों के बहुमुखी विकास का साधन बनते है।

अनुशासन की नींव बाल्यकाल से ही मज़बूत की जानी चाहिए। परिवार, विद्यालय एवं सामाजिक वातावरण इसमें अहम किरदार होते हैं। बाल्यकाल में यदि अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षित करते हैं कि सभी का आदर सम्मान करना अच्छाई है और किसी का बुरा चाहना बुराई है तो यह

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

नैतिक मूल्यों में शामिल हो जाता है। पीढ़ी दर पीढ़ी यह सीख आगे बढ़ती और एक सभ्य समाज का निर्माण करती है। सभ्य समाज सभ्यताओं में परिवर्तित हो इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अपना नाम अंकित करते हैं।

जिस प्रकार धुरी के हिलने या खिसक जाने से असन्तुलन हो जाता है। ठीक इसी तरह अनुशासनहीन समाज असन्तुलन की भेंट चढ़ अपने नाश की गाथा स्वयं लिखते हैं। शिक्षकों, अभिभावकों एवं उत्तरदायी व्यक्तियों को चाहिए की समाज की धुरी को अनुशासन का सटीक पाठ पढ़ाएं और सभ्यता का निर्माण करें।

सभ्य अनुशासित मनुष्य सभ्य समाज एवं सभ्य राष्ट्र के कर्णधार होते हैं। नींव जितनी गहरी और मजबूत होगी, निर्माण उतना ही चिरंजीवी होगा और संतुलन सदैव बना रहेगा।

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(1) ई - गवर्नेंस।

(2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाऐं।

(3) क्या लोकपाल भ्रष्टाचार को खत्म में सफल है ?

उत्तर (...) :

ई-गवर्नेंस

~~[struck-out text]~~

"पारदर्शिता सुशासन की कुंजी है। ई-गवर्नेंस पारदर्शिता का एक महत्वपूर्ण साधन।"
- नरेन्द्र मोदी

ई गवर्नेंस से तात्पर्य देश के नागरिकों को सूचना एवं सरकारी सेवाओं की जानकारी एवं सुविधा देने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी का समन्वित प्रयोग करना है।

संचार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी की बढ़ती पकड़ से कोई भी अछूता नहीं रह गया है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रशासन को नागरिकों से जुड़ने, ज़मीनी तौर पर समस्याओं का हल निकालने, अनेकानेक सेवाएँ प्रदान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। घर बैठे निम्न शुल्क में त्वरित सेवा प्राप्ति पारदर्शिता ~~सुनिश्चित~~ सुनिश्चित करती और नागरिकों में शासन के प्रति विश्वास पैदा करती

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

है। माननीय प्रधान मंत्री जी के अनुसार -

"ई गवर्नेंस अर्थात ईज़ी गवर्नेंस, इफेक्टिव गवर्नेंस और इकॉनोमिकल गवर्नेंस है।"

ई गवर्नेंस के चार स्तम्भ है -
नागरिक, प्रौद्योगिकी, प्रक्रिया एवं संसाधन
यह चार स्तम्भ पारदर्शिता, विश्वास, विकास का निर्माण करते हैं और समाज एवं शासन में व्याप्त कुरीतियाँ जैसे भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, आलस्य, अवसाद, गुटबाजी, भाई भतीजावाद आदि पर भी लगाम कसते है।

ई गवर्नेंस में सहभागिता चार प्रकार की है - G2G (शासन का शासन से), G2C (शासन और नागरिक), G2B (शासन और उद्योग) एवं G2E (शासन और कर्मचारी)।

गवर्नेंस का यह साधन नागरिक और शासन के बीच पुल का कार्य करता है। परन्तु कुछ समस्याएँ इसके विकास में बाधा बनी हुई है। जैसे इंटरनेट का विकास देश के गाँव, पहाड़ी राज्यों, तटों पर न हो पाना, डिजिटल डिवाईड, अशिक्षा, महँगी सेवाएँ आदि अवरुद्ध करती हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

आधारभूत ढाँचों में सुधार, डिजिटल इंडिया, लोक सेवा की प्रदाय की गारंटी, ई-सेवाएँ जैसे आरोग्य सेतु एप, मेघदूत क्लाउड आदि ई-गवर्नेंस का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

सरकारों को चाहिए कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-गवर्नेंस को और सुदृढ़, लचीला, सुरक्षित, आसान, प्रादेशिक भाषाओं में उपलब्ध कराया जाए।